# ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
# जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
# डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
# पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

**बुलेटिन संख्या–38**
**दिनांकः मंगलवार,19 मई २०२६**

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.5 एवं 24.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 88 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 61 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 6.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 9.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.2 एवं दोपहर में 38.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
## (20–24 मई, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 20–24 मई, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान, उत्तरी बिहार के अनेक जिलों में गरज वाले बादल बनने की संभावना है। इसके चलते कई स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। वर्षा के समय तेज हवा चल सकती है। इसकी संभावना 20 से 22 मई के आस–पास जादा है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34–35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। जबकि न्यूनतम तापमान 24–26 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 75 प्रतिशत तथा दोपहर में 25 से 30 प्रतिशत रहने की अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 14 से 22 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने की सम्भावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- वर्षा नहीं होने की स्थिति में किसानों को आम, लीची, प्याज एवं ग्रीष्मकालीन सब्जी फसलों में समय पर सिंचाई कर पर्याप्त मृदा नमी एवं आर्द्रता बनाए रखने की सलाह दी जाती है। प्याज, भिंडी, कद्दू, खीरा, नेनुआ, लौकी, मूंग एवं उड़द फसलों में निराई–गुड़ाई एवं अंतरवर्तीय क्रियाएं करने की सलाह दी जाती है।
- लीची की तुड़ाई फलों की परिपक्वता के आधार पर करने की सलाह दी जाती है। शाही किस्म में तुड़ाई निकट होने के कारण किसी भी प्रकार का छिड़काव नहीं करने की सलाह है। चाइना किस्म में फल छेदक कीट के प्रबंधन हेतु लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन @ 1 मि.ली./लीटर पानी का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।
- भिंडी में माइट एवं फल एवं तना छेदक तथा कद्दूवर्गीय फसलों में फल मक्खी के प्रकोप की नियमित निगरानी करने की सलाह दी जाती है। माइट का प्रकोप दिखाई देने पर एथियॉन @ 1.5–2 मि.ली.ध्लीटर पानी का छिड़काव करें। भिंडी में फल एवं तना छेदक के प्रबंधन हेतु मैलाथियॉन 50 EC @ 1.0 मि.ली./लीटर या डाइमिथोएट 30 EC @ 1.5 मि.ली./लीटर पानी का छिड़काव करें। कद्दूवर्गीय फसलों में फल मक्खी के नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 EC @ 2 मि.ली- + 10 ग्राम चीनी प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- वर्तमान मौसम परिस्थितियां प्याज फसल में थ्रिप्स के प्रकोप के लिए अनुकूल हैं, इसलिए नियमित निगरानी करने की सलाह दी जाती है। यदि कीट की संख्या आर्थिक क्षति स्तर (ETL) से अधिक हो जाए, तो प्रोफेनोफॉस @ 1 मि.ली. /लीटर या इमिडाक्लोप्रिड @ 1 मि.ली./4 लीटर पानी में स्टिकर @ 1 मि.ली./लीटर पानी मिलाकर छिड़काव करें।
- देर से बोई गई मूंग एवं उड़द फसलों में हेयरी कैटरपिलर के प्रकोप की नियमित निगरानी करने की सलाह दी जाती है। प्रकोप दिखाई देने पर मिथाइल पैराथियॉन 50 EC @ 2.0 मि.ली./लीटर या क्लोरपाइरीफॉस 20 EC @ 2. 5 मि.ली./लीटर पानी का छिड़काव करें।आम के बागानों में कीट–प्रकोप की नियमित निगरानी करने की सलाह दी जाती है। यदि रेड बैंडेड कैटरपिलर का प्रकोप दिखाई दे, तो तुरंत इमामेक्टिन बेन्जोएट @ 2 मि.ग्रा./लीटर पानी या लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन @ 2 मि.ली./लीटर पानी का छिड़काव करें। बागानों में पर्याप्त एवं निरंतर नमी बनाए रखने की भी सलाह दी जाती है।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः 34.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस कम | आज का न्यूनतम तापमानः 24.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम |

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी